

duplication in scientific research is both unavoidable and desirable. The approach to the same problem will be quite different with different groups of workers because of their different background and approach. Besides, some competitive thinking and work in matters of research is to be welcomed.

#### Supply of Articles to Government Employees at Fair Price

936. Shri Shiv Charan Gupta: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state what arrangements have been made by Government in different colonies of Government employees to supply articles of daily life at fair price?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): The matter is under consideration of the Government.

#### गजेटियर

६३७. श्री प्रकाशवीर शारत्री : क्या वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले ६ मास में कितने गजेटियर प्रकाशित हुए हैं और उनमें से कितने गजेटियरों के हिन्दी संस्करण भी प्रकाशित हुए हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि हिन्दी भाषी प्रदेशों के गजेटियरों को हिन्दी में जो छापने का निश्चय किया गया है ; और

(ग) यदि नहीं, तो कब से इस प्रकार की व्यवस्था की जाने वाली है ?

वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय में उपमन्त्री (डा० म० मो० दास) पिछले छः महीनों में दो डिस्ट्रिक्ट गजेटियर प्रकाशित किये गये। हिन्दी का कोई संस्करण प्रकाशित नहीं किया गया है।

(ख) और (ग) यह सूचना मिली है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने डिस्ट्रिक्ट गजेटियरों के हिन्दी संस्करण निकालने का निश्चय किया है। किसी दूसरी राज्य सरकार से ऐसे निर्णय की सूचना नहीं मिली है।

#### राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता

६३८. श्री प्रकाशवीर शारत्री : क्या वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता में कुल मिलाकर हिन्दी के प्रकाशनों की संख्या कितनी है ;

(ख) पुस्तकालय में गत ६ मास में कितन नये हिन्दी के प्रकाशन और आये हैं ;

(ग) क्या सरकार ने यह जानने का प्रयत्न किया है कि हिन्दी के प्रकाशनों की संख्या कुछ बढ़ रही है ; और

(घ) यदि हां, तो किस अनुपात से ?

वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायून् फ़ारि) : (क) और (ख). नेशनल लाइब्रेरी, कलकत्ता में मार्च १९६२ तक हिन्दी की किताबों की संख्या करीब २३००० थी। इन में से २,४६५ किताबें पिछले छः महीनों में यानी अक्टूबर, १९६१ से मार्च, १९६२ तक आयीं। इसके अलावा लाइब्रेरी में इस समय ८६३ सामाजिक पत्र-पत्रिकाएं भी आ रही हैं।

(ग) डिलीवरी आफ बुक्स (पब्लिक लाइब्रेरीज) एक्ट १९५४ के अधीन पुस्तकालय को देश में छपने वाले हिन्दी के सभी प्रकाशनों की एक-एक प्रति प्राप्त करने का हक है।

(घ) सवाल पैदा नहीं होता।

#### Naya Paisa Coins

939. Shri Bibhuti Mishra: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of India have decided to mint one naya paisa coins in some metal other than copper;